खबर संक्षेप

8 वर्षों से फरार 4 स्थायी वारंटी गिरफ्तार

मण्डला। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में न्यायालय से लंबित स्थायी वारंटों की तामील हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बीजाडांडी पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। थाना प्रभारी निरीक्षक अनीता कुड़ापे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा लगातार तलाश-पतासाजी एवं कार्रवाई करते हुए लगभग 08 वर्षों से फरार चल रहे 04 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए सभी वारंटियों को विधिवत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार स्थायी वारंटियों में बबलू मार्को, राजकुमार ठाकुर, दिलीप मरावी, यमुना मेहरा शामिल हैं। थाना बीजाडांडी पुलिस द्वारा लंबे समय से फरार एवं न्यायालय से लंबित स्थायी वारंटियों की सतत तलाश की जा रही है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनीता कुड़ापे के नेतृत्व में उनि. मुरारीलाल धुर्वे, सउनि. जय पाण्डेय, अक्षय यादव प्रधान आरक्षक विजय छिरा, आरक्षक आशीष पाण्डेय रमाकांत त्रिपाठी, सौदामिनी लोधी की सराहनीय भूमिका रही।

स्थानीय वरिष्ठ अधिकारी को प्राथमिकता नहीं मिलने पर उठे प्रश्न

मवई बीईओ के प्रभार पर उठे सवाल

* 2020 के विभागीय निर्देशों के पालन पर चर्चा तेज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आदिवासी विकास विभाग द्वारा वर्ष 2020 में जारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के प्रभार संबंधी निर्देशों के पालन को लेकर मण्डला जिले में एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। विशेष रूप से मवई विकासखंड में बीईओ के अतिरिक्त प्रभार को लेकर स्थानीय स्तर पर कई सवाल उठाए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, आयुक्त आदिवासी विकास, मध्यप्रदेश द्वारा 18 अगस्त 2020 को जारी आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि जिन विकासखंडों में बीईओ का पद रिक्त हो, वहां नियमित नियुक्ति होने तक संबंधित विकासखंड में पदस्थ वरिष्ठतम अधिकारी को प्रभार सौंपा जाए। यदि वरिष्ठ अधिकारी किसी कारणवश इस दायित्व के लिए उपयुक्त न हो अथवा उसके विरुद्ध विभागीय जांच या गंभीर शिकायत लंबित हो, तो कारणों का उल्लेख करते हुए प्रस्ताव आयुक्त कार्यालय को भेजकर स्वीकृति प्राप्त करने के बाद ही अन्य अधिकारी को प्रभार दिया जाए।

इसी आदेश के संदर्भ में मवई विकासखंड में बीईओ का अतिरिक्त प्रभार घुघरी के बीईओ को दिए जाने की जानकारी सामने आने के बाद विभिन्न स्तरों पर चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मवई विकासखंड में वरिष्ठ व्याख्याता अथवा अन्य पात्र अधिकारी उपलब्ध थे, तो विभागीय निर्देशों के अनुसार पहले उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी। यदि ऐसी व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी अथवा अन्य प्रशासनिक कारण थे, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

विभागीय जानकारी के अनुसार कुलदीप कठल मवई विकासखंड के वरिष्ठ व्याख्याताओं में शामिल बताए जाते हैं। वर्तमान में उनके पास घुटास संदीपनी विद्यालय के प्राचार्य तथा सहायक संचालक, जनजातीय कार्य विभाग का प्रभार भी है। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि उनका नाम वरिष्ठता सूची में दर्ज नहीं है अथवा इस संबंध में कोई स्पष्ट शासनादेश उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह प्रश्न उठ रहा है कि यदि विभाग उन्हें वरिष्ठ अधिकारी मानता है तो बीईओ का प्रभार उन्हें क्यों नहीं दिया गया। वहीं यदि उनके विरुद्ध कोई आरोप या विभागीय जांच लंबित है, तो पूर्व में उन्हें बिछिया के बीईओ, डीपीसी मण्डला तथा वर्तमान में सहायक संचालक का प्रभार किस आधार पर सौंपा गया। इन बिंदुओं पर भी विभाग से स्पष्टता की मांग की जा रही है।शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि आयुक्त के निर्देशों का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वरिष्ठ अधिकारियों को प्राथमिकता देकर प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। ऐसे में यदि किसी अन्य विकासखंड के अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है, तो उसके कारणों का विभागीय नियमों के अनुरूप स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।

फिलहाल मवई बीईओ के प्रभार को लेकर जिले में चर्चाओं का दौर जारी है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि आदिवासी विकास विभाग इस मामले में तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करे, ताकि भ्रम और अटकलों पर विराम लग सके तथा भविष्य में प्रभार संबंधी आदेशों में विभागीय दिशा-निर्देशों का पारदर्शी और नियमसम्मत पालन सुनिश्चित हो सके।

जिला प्रशासन को शायद यह भी संज्ञान में नहीं है कि वर्तमान बीईओ घुघरी की असल पदस्थापना शासकीय कन्या हाई स्कूल पड़ाव वार्ड मंडला, विकासखंड मंडला है, मंडला विकासखंड में पदस्थ प्राचार्य को घुघरी विकासखंड का बी ई ओ बनाना फिर मवई विकासखंड के बी ई ओ का अतिरिक्त प्रभार देना, समझ से परे है। जबकि शासन स्तर पर संलग्नीकरण पूर्णतः प्रतिबंधित है।मंडला जिला में ऐसे अनेको उदाहरण हैं कि शासकीय सेवक वेतन कहीं से ले रहा है और सेवाएं कहीं और दे रहा है।स्थानांतरण पर प्रतिबंध के स्थिति में भी बगैर प्रभारी मंत्री तथा कलेक्टर के अनुमोदन के सालभर संलग्नीकरण होते रहते हैं और यही संलग्नीकरण धीरे से स्थानांतरण में बदल जाते हैं।जनजातीय कार्य विभाग की लीला ही अपरम्पार है।

इनका कहना है -

बीईओ पद के लिए विभागीय परीक्षण चला रहा, स्थिति स्पष्ट होने के बाद नियमानुसार प्रभार दिया जायेगा।

-डॉ. अरूण शुक्ला, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग मण्डला

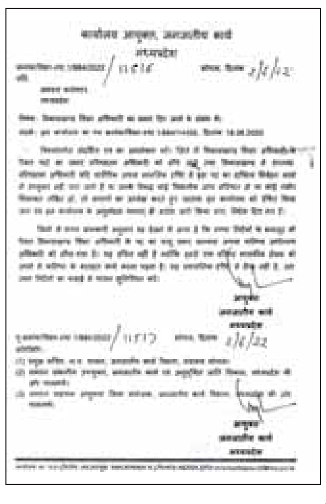

जन विश्वास अभियान कल से पहला शिविर मोहगाँव में

* कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने दिए तैयारियों के निर्देश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले में शुक्रवार 7 अगस्त से 'जन विश्वास अभियान' शुरू हो रहा है। इसका पहला कार्यक्रम मोहगांव में आयोजित किया जाएगा। जिला योजना भवन में आयोजित बैठक में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने सभी विभाग प्रमुखों को अभियान से जुड़ी तैयारियाँ समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनका निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री धोटे ने बताया कि अभियान के तहत भ्रमण, निरीक्षण, शिविर, जनसंवाद, उद्यमी संवाद और जनप्रतिनिधि संवाद जैसे सभी सोपानों में संबंधित विभागों की भागीदारी अनिवार्य होगी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने कहा कि शिविर लगातार आयोजित किए जाएंगे। अभियान अवधि में कार्य की गति बनाए रखनी है क्योंकि अंतिम रैंकिंग अभियान के समापन पर जारी की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियाँ प्रारंभ

बैठक में 15 अगस्त को पुलिस ग्राउंड में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग और नगर पालिका परिषद को आपसी समन्वय से ग्राउंड तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अनुविभागों में भी समारोह की तैयारियां सुनिश्चित करने, शासकीय कार्यालयों में रोशनी कराने और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व कारगिल वीरों के परिजनों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित करने को कहा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, अपर कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

तीन गुमशुदा नाबालिग बालिकाएं सकुशल दस्तयाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में थाना बीजाडांडी पुलिस द्वारा गुमशुदा नाबालिग बालिकाओं की तलाश हेतु प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब किया गया।

थाना बीजाडांडी में गुमशुदा नाबालिग बालिकाओं के संबंध में प्राप्त प्रकरणों में लगातार पतासाजी, तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से सघन खोजबीन की गई। तकनीकी साक्ष्यों एवं स्थानीय स्तर पर की गई पतासाजी के आधार पर पुलिस टीम ने गुजरात राज्य के सोमनाथ, ग्राम टिकरिया तथा डिंडोरी जिले से तीनों नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब किया।

दस्तयाब की गई सभी बालिकाओं को आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत उनके विधिक अभिभावकों के सुपुर्द किया गया। गुमशुदा बच्चों की शीघ्र तलाश एवं सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंडला पुलिस द्वारा निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनीता कुड़ापे के नेतृत्व में उप निरीक्षक सत्यनारायण कुशवाह एवं मुरारीलाल धुर्वे, सहायक उप निरीक्षक जय पाण्डेय एवं रंजीत सरैया, प्रधान आरक्षक विजय छिहा, आरक्षक प्रतीक रजक तथा महिला आरक्षक महिमा बास्केल, रीना नांगले एवं सौदामिनी की सराहनीय भूमिका रही।

अवैध शराब के खिलाफ की कार्रवाई, 14 बोतल शराब जब्त

मण्डला। आबकारी विभाग ने मंडला शहर में अवैध शराब के निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान राजस्व एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने पुरवा क्षेत्र में दबिश देकर सुरेश कच्छवाहा के कब्जे से विक्रय के लिए रखी गई 14 नग देसी एवं विदेशी शराब बरामद कर जब्त की।

जांच दल की चुप्पी-खामोशी समझ से परे

* 21 जुलाई को जारी किया गया जांच का आदेश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जनपद पंचायत मण्डला की समीपी ग्राम पंचायत पटपरा रैयत में लाखों की राशि के आहरण पर ग्रामवासियों ने सवाल खड़े किये थे ग्राम पंचायत की तात्कालीन सरपंच, सचिव, मेट एवं अन्य स्थानीय लोगों के नाम से तथा और भी व्यक्तिगत फर्मो के नाम लाखों रूपये का भुगतान किया गया यह भुगतान किस बात को लेकर किया गया यह स्पष्ट नहीं किया गया है सिर्फ कार्यालयीन व्यय एवं अन्य खर्च दर्शाया गया है। अब कार्यालयीन व्यय के नाम पर अलग-अलग लोगों को और अलग-अलग फर्मो को इस तरह का भुगतान निश्चित रूप से भ्रष्टाचार को ही इंगित करता है।

ग्रामवासी स्वयं जानना चाहते हैं कि ग्राम के जिन-जिन लोगों को इस तरह की राशि प्रदान की गई है वह किस बात की है और क्या वह राशि वास्तव में इन्हें दी गई है या फिर सिर्फ दस्तावेजों में ही इसका उल्लेख किया गया है।

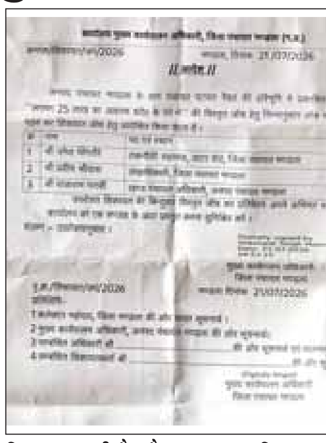

ग्राम के लोगों के अलावा जनपद के सीईओ को भी पंचायत द्वारा भुगतान किया गया दर्शाया गया है अब यह भुगतान किस बात का है इसे तो स्पष्ट होना ही चाहिये शायद यह अपने आप में अनोखा उदाहरण होगा जब ग्राम पंचायत द्वारा जनपद पंचायत के सीईओ को किसी तरह की राशि का भुगतान किया गया हो इसके अलावा और भी बहुत से भुगतान हैं जो जिन लोगों के नाम से दर्शाये गये हैं उनकी पहचान छुपाई गई है इनकी पहचान भी उजागर होना चाहिये।

इस तरह की खबरें जब मीडिया में आई तो जिला पंचायत सीईओ द्वारा ग्राम पंचायत की विस्तृत जांच हेतु एवं जांच समिति का गठन किया और एक सप्ताह के अंदर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा गया। 21 जुलाई को यह आदेश जारी हुआ आज लगभग 15 दिन हो चुके हैं जांच दल खबर लिखे जाने तक पंचायत में जांच हेतु नहीं पहुंच सका है जबकि मिली जानकारी के अनुसार संबंधित पंचायत के सचिव की लगातार जिला पंचायत कार्यालय में आवाजाही हो रही है कहीं ऐसा तो नहीं कि अंदर खाने कुछ और खिचड़ी पक रही हो जो कि इस पूरे मामले का पटाक्षेप करने में सहयोगी बने।

नारायणगंज सी ई ओ द्वारा पंचायतो का किया गया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती दीप्ति यादव द्वारा ग्राम पंचायत घोट खेड़ा मैं आंगनवाड़ी भवन एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया जिसमें आंगनवाड़ी में जो भवन में जो कमियां पाई गई उसे पूर्ण करने के लिए कहा गया समुदाय स्वास्थ्य भवन घोट खेड़ा में दवाइयां का स्टोर की जानकारी ली गई एवं सरपंच सचिव को निर्देश दिया गया आंगनबाड़ी के उपस्थित बच्चों एवं उनके भोजन और शुद्ध पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई इसी तरह ग्राम पंचायत मानेगांव में माँ की बगिया का निरीक्षण किया गया और पुराना तालाब का निरीक्षण किया गया ग्राम पंचायत देवहार में आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण किया गया मुख्य कार्यपाली अधिकारी जनपद पंचायत नारायणगंज द्वारा समय-समय पर पंचायत में जाकर पंचायत की समस्या एवं निर्माण कार्यों की जानकारी ली जाती हैं जिससे नवनिर्माण कार्यों में उनकी गुणवत्ता एवं सुधार कर हो सके और समय सीमा पर भवन का निर्माण हो सके पंचायत में चल रहे पक्के निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समय अवधि पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

गांव में ही हो समस्याओं का समाधान, आमजन को न करना पड़े अनावश्यक आना-जाना:कलेक्टर

* ग्राम ओहानी में 'हमारा गांव-हमारा समाधान' शिविर में पहुँचे कलेक्टर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पटवारी, सचिव एवं सरपंच ग्राम पंचायत में नियमित रूप से बैठक आयोजित करें, ग्रामीणों से संवाद स्थापित करें तथा स्थानीय स्तर पर ही उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। वे इस दौरान नैनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत ओहानी में आयोजित 'हमारा गांव-हमारा समाधान' शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन करते हुए आमजन को उपलब्ध कराई जा रही शासकीय सेवाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड तथा फार्मर आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष विभाग द्वारा लगाए गए निःशुल्क औषधि वितरण स्टॉल का भी अवलोकन किया तथा आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री धोटे ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के लिए कहा।

शिविर के उपरांत कलेक्टर ने नैनपुर स्थित एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं, अभिलेखों एवं जनसेवा संबंधी कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को पारदर्शी, समयबद्ध एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली अपनाने के लिए कहा। इस दौरान एसडीएम नैनपुर आशुतोष ठाकुर, सीईओ जनपद पंचायत, सरपंच श्रीमती सुमंत्रा मर्सकोले, उप सरपंच श्रीमती सरला झारिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

शिविर | **बेहतर जीवनशैली, संतुलित आहार, योग एवं सकारात्मक सोच पर विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन।**

स्वस्थ पुलिस बल ही सुरक्षित समाज की आधारशिला

* मानसिक स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति शिविरः आयोजित।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के मार्गदर्शन में आज पुलिस कंट्रोल रूम, मंडला में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आहार, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य एवं नशामुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य पुलिस बल को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखने, तनाव प्रबंधन, संतुलित जीवनशैली अपनाने तथा नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिवकुमार वर्मा ने उपस्थित विशेषज्ञों का स्वागत कर कहा कि पुलिस जवानों का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना प्रभावी पुलिसिंग के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम पुलिस बल को सकारात्मक ऊर्जा, बेहतर कार्यक्षमता एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

शिविर में डाइटिशियन डॉ. राशि पमनानी ने संतुलित आहार, बेहतर जीवनशैली, नियमित दिनचर्या, योग एवं व्यायाम के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यस्त कार्यशैली के बावजूद यदि पौष्टिक भोजन, पर्याप्त जल सेवन, समय पर भोजन तथा नियमित योग एवं व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाए तो अनेक गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

मेंटल हेल्थ काउंसलर साइकोलॉजिस्ट श्री सत्यजीत सिंह पटेल ने मानसिक स्वास्थ्य, कार्य के दबाव, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन तथा नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस जवानों को नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

ब्रह्मकुमारी संस्थान से लक्ष्मी दीदी ने राजयोग, ध्यान, आत्मचिंतन एवं सकारात्मक विचारों की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित ध्यान एवं आध्यात्मिक अभ्यास तनाव को कम करने, मानसिक शांति बनाए रखने तथा कार्यक्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिविर के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विशेषज्ञों से स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक संतुलन एवं नशामुक्त जीवनशैली से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

खबर संक्षेप

स्कूलों में बच्चों को दिखाया गया सीएम के संवाद का सीधा प्रसारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय, भोपाल में आयोजित 'किताब से कल तक' कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों से संवाद किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण क्षेत्र के शासकीय बालक उ मा विद्यालय व शासकीय कन्या उ मा विद्यालय सालीचौका सहित अनेक क्षेत्रीय स्कूलों में विद्यार्थियों को दिखाया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यादव ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का सहजता से उत्तर दिया एवं उन्हें नवाचार, तकनीक और सतत रूप से सीखने के लिए प्रेरित किया। सीधे प्रसारण को देखते समय स्कूल स्टॉफ के सदस्य एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

कन्या शाला में आयोजित हुई ब्लॉक स्तरीय शालेय डॉज बॉल प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की ब्लॉक स्तरीय शालेय डॉज बाल प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय शासकीय पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन उ मा विद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 19 आयु वर्ग के छात्र छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने जौहर दिखाए। प्रतियोगिता उपरांत जिला स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया। ब्लॉक खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन को संपन्न कराने में संस्था के प्राचार्य सतीश नाईक, पीटीआई विक्रम शर्मा सहित अन्य शिक्षक व शिक्षिकाये मौजूद रही।

शालेय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला के वार्षिक खेल कैलेण्डर सत्र 2026–27 के अनुसार बीते हुये दिवस विकासखंड स्तरीय शालेय राइफल शूटिंग अंडर 14, 17 एवं 19 बालक बालिका प्रतियोगिता का आयोजन नगर के एक निजी स्कूल में किया गया। बताया जाता है कि इस प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुये निशाने लगाये । अंत में बेहतर प्रदर्शन वाले छात्र छात्राओं का चयन जिला स्तर की प्रतियोगिता हेतु किया गया जो 7 अगस्त को गाडरवारा में ही होगी । जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन एवं बीईओ सुश्री सीमा डोंगरे के निर्देशन में हुए इस आयोजन को संपन्न कराने में विकास खंड खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले सहित अन्य अधिकारियों का योगदान रहा। विदित हो कि डीईओ कार्यालय से जिला क्रीड़ा अधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा में विकासखंड स्तरीय आयोजन संपन्न करने के निर्देश दिये है।

नियम विपरित वाहनों में लगे हुये लाईट बन रहे दुर्घटनाओं के कारण

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। क्षेत्र की सड़को पर दौड़ने वाली वाहनों की मनमानी पर अंकुश लगाने में प्रशासन की असफलता का परिणाम है कि वाहन चालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू दिखाई देने से नही चूक रहे है क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले कई वाहनो की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह निर्धारित नियमों के विरूद्ध संचालित होने के साथ साथ यह खस्ताहाल वाहन जहां पर्यावरण को बिगाड़ रहे है, वही ये दुर्घटानाओ के कारण भी बनने से भी नही चूक है? क्योंकि जिस प्रकार से वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों में नियम विरूद्ध लाईट लगाये हुये है उसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होने का प्रमुख कारण सामने आने से नही चूक पाता है, जहां अनेक चार पहिया वाहन इस प्रकार से होते है जिनका मात्र एक ही हेड लाईट चलते हुये देखा जाता है।

एनटीपीसी में दौड़ रहे भारी भरकम डंपरों ने चंद सालों के अंदर ही छीन ली गई क्षेत्र के विकास की सौगात

सीतारेवा नदी पर बने हुये पुल के ऊपर बने हुये गड्ढों के बीच निकल रही लोहे की राड खतरे को दे रही आमंत्रण...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र में जब एनटीपीसी की स्थापना हुई थी तो क्षेत्र के लोगों ने क्षेत्र विकास को लेकर जहां अनेक सपने संजोये गये थें तो दूसरी ओर युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीदे जागी थी। और इसको लेकर लोगों द्वारा एनटीपीसी स्थापना को एक बरदान बताया जा रहा था। मगर इसकी सच्चाई इस तरह से देखने मिल रही है कि जहां बरदान की जगह अभिशाप साबित होने से नही चूक रही है.. ? हाल यह बना हुआ है कि क्षेत्र के विकास के नाम पर नेताओं द्वारा दूसरे शहरों का विकास कराया जा रहा है। वही क्षेत्रवासियों के लिये आये दिन दुर्घटनाओं के साथ बढ़ते हुये अपराधों के ग्राफ का सामना करने लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

वही दूसरी ओर एनटीपीसी से निकलने वाली राख का परिवहन करने के लिये देश के अलग अलग प्रांतों के भारी भरकम डम्फर दौड़ने के चलते क्षेत्र की सड़को के परखच्चे उढ़ाते हुये मौत का सायरन बजाने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर क्षेत्र में हुये विकास को मिटाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। इस बात की सच्चाई गाडरवारा से एनटीपीसी की ओर जाने वाले सीतारेवा नदी पर बने हुये पुल के रूप में आसानी से देखा जा सकता है। कुछ साल पहले बने हुये इस पुल का भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी का परिणाम है कि पुल के बीचों बीच निकल रहे गड्ढो से झांक रही लोहे की राड़े खुलेआम मौत को आमंत्रण देने से नही चूक रही है..? बताया जाता है कि इस पुल के लोकापर्ण को अभी लगभग कुछ साल का ही समय निकल पाया है और पुल पर जहां तहां से निकल रहे

गड्ढो व दरारो के बीच उभरकर ऊपर आ रही लोहे की राडे खुद की अपनी गुणवत्ता की कहानी को उजागर करते हुये जान पड़ रही है..? ज्ञात हो कि क्षेत्र के तत्कालीन विधायक गोविंद सिंह पटैल द्वारा लगातार क्षेत्र विकास की सोच रखते हुये किये गये प्रयासों के परिणामों के चलते एनटीपीसी सहित क्षेत्र के गांवों को आसानी से पहुंचने के लिये गाडरवारा से सुदरास गांगई होते हुये एनटीपीसी मार्ग सीतारेवा नदी पर उच्च स्तरीय पुल की स्वीकृति प्रदान कराते हुये क्षेत्र के लोगों को एक बड़ी सौगात प्रदान की गई थी। इस तरह एनटीपीसी की ओर जाने वाले इस मार्ग पर पड़ने वाली सीतारेवा नदी पर 3482.10 लाख रूपया की लागत से 390 मीटर लम्बे व 12 मीटर चौड़ाई वाले पुल का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग जबलपुर एजेन्सी की देख रेख मैं रायल इन्फराकान्सट लिमिटेड द्वारा किया था। इस पुल का निर्माण कार्य पूर्ण होने की

स्थिति में इस पुल का लोकापर्ण बीते हुये वर्ष यानि की लगभग पांच वर्ष पहले 15 सितम्बर 2018 को प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्यि एवं प्रदेश के तत्कालीन लोक निर्माण विभाग के मंत्री ठाकुर राम पाल सिंह की अध्यक्षता सहित क्षेत्र के सांसद सहित राज्य सभा सदस्य व अनेक भाजपा नेताओं की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ था..? इस प्रकार से देखा जावे तो अभी इस पुल के लोकापर्ण कार्य को कुछ साल का समय निकल पाया है। मगर इस पुल की स्थिति जिस प्रकार से देखने मिल रही है वह निश्चित ही पुल निर्माण कार्य में अपनाई गई गुणवत्ता तथा एनटीपीसी में दौड़ रही भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकडी की कहानी को खुद ही उजागर करने से नही चूक पा रही है..? हाल यह बना हुआ है कि पुल के ऊपर बनाई गई पैदल चलने वाली पट्टी पापड़ की तरह टूटते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर पुल के बीचों बीच जिस प्रकार से घास की हरियाली फैलने के कारण यह पुल कम और पशुओं की चरोहर भूमि

प्रतीत होने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर पुल व सड़क को जोड़ने वाले स्थल से लेकर बीचों बीच निकल रहे गड्ढों से लोहे की राड़े निकलते हुये दिखाई पड़ रही है वह जहां निर्माण कार्य में अपनाई गई अफलतबाजी की कहानी को उजागर करने के साथ साथ लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से नही चूक पा रही है..? वही दूसरी ओर पुल के बीचों बीच अनेक जगहों पर निकलती हुई दरारों के आलवा दांत दिखाती हुई गिट्टी पुल के निर्माण कार्य के दौरान देख रेख करने वाले अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगाने में कोई कसर नही छोड़ रही है..? इस प्रकार से करोड़ो की लागत से बने हुये इस पुल पर जहां तहां से निकल रही लोहे की राडो के आलवा पड़ रही दरारे व दांत दिखाती हुई गिट्टी पुल को पास करने वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों की भूमिका को संदिग्ध बनाने से नही चूक पा रही है..? गौर किया जावे तो इस पुल का निर्माण हुये कुछ साल का समय बीता हुआ है और इस पुल की स्थिति जर्जर होते हुये दिखाई पड़ रही है। यह सच्चाई इस बात का अंदेशा प्रकट करने से नही चूक पा रही है कि निश्चित ही इस पुल की उम्र शायद ज्यादा लम्बी नही हो पायेगी.., क्योंकि बाल अवस्था में यह हाल है तो फिर आगे की अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है..? यह बात अलग है कि निर्माण कार्य एक निजी कंपनी द्वारा किया गया है। मगर जब शासन की राशि के माध्यम से कोई निर्माण कार्य किसी निजी कंपनी द्वारा किया जाता है तो उसकी देख रेख शासन के अधीन रहने वाले विभाग के अधिकारियों द्वारा ही की जाती है और निर्माण कार्य पूर्ण होने की स्थिति में जब तक संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा उसे पास नही किया जाता है जब तक उस निर्माण कार्य को पूर्ण नही माना जाता है। इसी प्रकार से इस पुल को भी संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा पास किया गया होगा तभी तो इसका लोकापर्ण हुआ होगा? मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस प्रकार से लोकापर्ण को अभी चंद वर्ष ही निकल पाये है और इस पुल की जो स्थिति निर्मित होते हुये देखी जा रही है उसका जिम्मेदार कौन माना जावेगा..? क्योंकि निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा तो निर्माण कार्य करते हुये इस पुल को शासन के लिये सौप दिया गया और शासन में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा इसे पास किया गया होगा जब पुल में अभी से इस प्रकार से लोहे की राडे निकलने के साथ साथ पड़ रही दरारों के आलवा निकल रही गिट्टी निश्चित ही इस पुल को पास करने वाले अधिकारियों की भूमिका पर अनेक प्रकार के सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर यदि इस पुल के निर्माण के दौरान अपनाई गई गुणवत्ता की निष्ठा के साथ जांच हो जाती है तो निश्चित चौकाने वाली सच्चाई सामने आने से नही चूक पायेगी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान की शुरूआत कल से सालीचौका से, अधिकारी भ्रमण करते हुये सुनेंगे समस्यायें

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार आयोजित होने वाले क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम की शुरुआत कल 7 अगस्त से होगी। अभियान के प्रथम चरण में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के नेतृत्व में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सालीचौका क्षेत्र से कर रहे है। इसी के चलते कल शुक्रवार को अभियान के शुभारंभ पर सालीचौका क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। इस दौरान जनसंवाद आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे क्षेत्र भ्रमण के दौरान सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं हितग्राहियों को मिल रहे लाभ का भी मौके पर आकलन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत स्थानीय उद्यमियों एवं युवाओं के साथ उद्यम संवाद आयोजित कर स्वरोजगार, कौशल उन्नयन एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण, आधार पंजीयन, श्रम योगी मानधन योजना सहित अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रकरण तैयार किए जाएंगे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्वच्छता गतिविधियों, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा ग्राम विकास योजनाओं की भी समीक्षा की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। इन संस्थानों का होगा निरीक्षण अभियान के तहत शासकीय संस्थानों एवं सार्वजनिक परिसंपत्तियों का निरीक्षण किया जाएगा। इसके अंतर्गत सड़कें, तालाब, अमृत सरोवर, बांध, जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित संरचनाएं, शासकीय भवन तथा अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों का अवलोकन किया जाएगा। साथ ही खाद-बीज विक्रेताओं, गैस गोदामों, पेट्रोल पंपों, विस्फोटक एवं पटाखा लाइसेंसधारियों, अधिकृत शस्त्र विक्रेताओं तथा निजी विद्यालयों का भी निरीक्षण किया जाएगा।

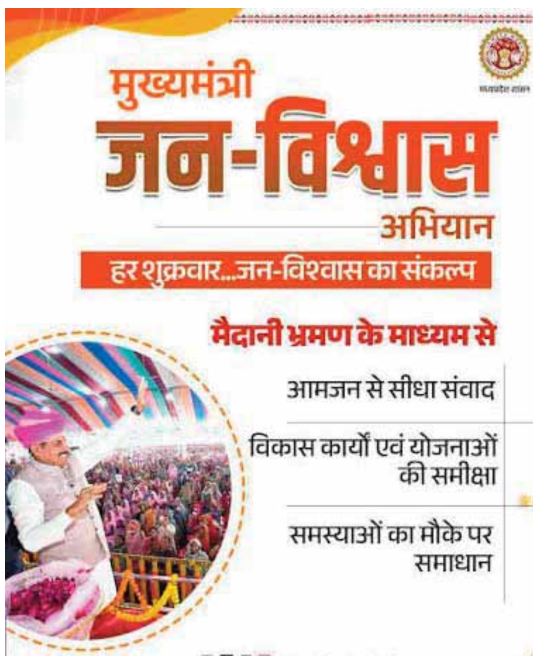

रस्सी कूद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने किया दमदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की जिला स्तरीय शालेय रस्सीकूद प्रतियोगिता का आयोजन जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम आमगांव छोटा के शासकीय उ मा विद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में अंडर 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के छात्र छात्राओं ने सहभागिता करते हुए अपने जौहर दिखाए। इस दौरान उन्होंने रस्सीकूद की विभिन्न विधाओं में दमदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता उपरांत संभाग स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके बेहतर खेल के आधार पर किया गया। वही कार्यक्रम के अंत में रेफरियों को सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान प्राचार्य मोहन मुरारी दुबे, विजेंद्र कौरव, अशोक झारिया, मधुसूदन पटैल, महेन्द्र कौरव, मुकेश पटैल, अजय सोनी, देवेंद्र रजक, आरिज खान, अभिषेक सोनी, रमेश खंगार, पूजा वर्मा, प्रिया वर्मा, खुशबु वर्मा, नीलम वर्मा, दीपिका वर्मा सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे एवं ब्लॉक खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले आयोजन के सतत सम्पर्क में रहे।

अकीदत भाईचारे के साथ निकला मुकरबा शरीफ का चादर संदल जुलूस, दरगाह पर चादरपोशी व लंगर का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मुकरबा दरवाह शरीफ के उर्स मुबारक के अवसर पर विगत दिवस नगर में अकीदत और भाईचारे का नजारा देखने को मिला। इस मौके पर मुकरबा दरगाह शरीफ से शहनाई की सुरीली धुन पर चादर संदल का जुलूस खुशनुमा अंदाज में निकाला गया, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ वापस दरगाह शरीफ पहुंचा।चादर संदल जुलूस मुकरबा दरगाह शरीफ से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गों से गुजरा। आगे-आगे शहनाई की धुन पर या ताज के रखना लाज तेरे दीवाने आये हैं कलाम की गूंज से पूरा माहौल सूफियाना हो गया। बुजुर्गाने दीं से निस्बत रखने वाले हाथों में इस्लामी परचम और अदब के साथ चादर लेकर चल रहे थे । शक्ति चौक पर जुलूस का भव्य स्वागत किया गया। जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान और मुस्लिम विकास परिषद के अब्दुल फिरोज खान बबलू की विशेष उपस्थिति में नोजवान कमेटी ने जुलूस का इस्तकबाल कर उपस्थित श्रद्धालुओं को तबर्रुक वितरित किया। इस दौरान लकी अली, फारुख खान, इमरान ताजी, असबाब अली, बबलू राईन, राज ताजी, आमिर खान सहित हसनी हुसैनी सोसायटी के युवाओं ने बढ़-चढ़कर जुलूस का स्वागत किया और पुष्प वर्षा की गई। इस मौके पर चादर संदल का जुलूस वापस मुकरबा दरगाह शरीफ पहुंचा, जहा मुकरबा दरगाह शरीफ कमेटी के सदस्यों द्वारा हजरत की दरगाह पर अकीदत के साथ चादरपोशी की गई। इसके बाद न्याज फातेहा पढ़ी गई और देश-प्रदेश में अमन, भाईचारे और खुशहाली रहे इसके लिए दुआएं मांगी गईं। कार्यक्रम के अंत में तबर्रुक तकसीम किया गया। उर्स मुबारक के अवसर पर दरगाह परिसर में लंगर का भी भव्य आयोजन किया गया। बुजुर्गाने दीन से निस्वत रखने वालो ने बड़ी संख्या में लंगर में शिरकत कर सबाबे दारेन हासिल किया।

शैलेन्द्र शैली स्मृति व्याख्यान माला के आयोजन में देखने मिली अनोखी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शैलेन्द्र शैली स्मृति व्याख्यानमाला जनक पैलेस सहावन (सालीचौका) में बुधवार को आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला में मुख्य अतिथि बादल सरोज तथा विशिष्ट अतिथि शैलेन्द्र पटेल समाजसेवी मौजूद थे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक सिलोकिया ने की गई। वही व्याख्यान माला में उपस्थित लोगों को आज की दुनिया और भारत विषय पर संबोधित करते हुए बादल सरोज ने कहा कि दुनिया हमेशा से ऐसी नहीं थी जैसी आज है। सभी वैज्ञानिक उपलब्धियों के बावजूद आज भी लोग मलेरिया जैसी बीमारी से लाखों लोग मर जाते है। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने संपत्ति, कारखानों पर कब्जा किया रहा है। इस लूट के साथ वो अपने आपको सभ्य बताते है। हमारे देश पर अंग्रेजों ने राज किया और उनके देश के लोगों की चमक हमारे जैसे देशों को लूट कर ही आई है। अंग्रेजों के आने से पहले हमारे देश का दुनियां की जीडीपी में 35 से 40 प्रतिशत हिस्सा था। अंग्रेजों ने भारत की खेती बर्बाद की, नील और जूट की खेती कराई। जिसके कारण भारत में 2 बड़े अकाल पड़े जिसमे लाखों लाख लोग मारे गए। जब देश आजाद हुआ तब संसद के सेंट्रल हाल में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पहला भाषण लाल टेन की रोशनी में दिया था। आज बिजली पर्याप्त थी। बीज, खाद, खाद्यान्न में हम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे थे। लेकिन सोवियत संघ के पतन के बाद एक बार देशों की लूट बढ़ गई। आज अमेरिका पूरी दुनिया पर कब्जा करना चाहता है। इस मौके पर बादल सरोज ने कहा कि अब बात हमारी खेती पर आ गई। हमारी घोषित नीति थी कि जो चीज हम खेती से पैदा कर रहे है उसका आयात बाहर से नहीं करेंगे। हमारे देश में 65 प्रतिशत लोग खेती पर लगे हुए है। जबकि अमेरिका में सिर्फ तीन प्रतिशत लोग खेती करते है। अमरीका में किसानों को 100 प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत यूरोप, आस्टेलिया, डेनमार्क, अमेरिका से फ्री ट्रेड डील का समझौता कर लिया है। वहां से अब दूध और दूध से बने उत्पाद भी विदेशों से आएंगे। अमेरिका में एक गाय के लिए किसानों को 5 डालर सब्सिडी मिलती है। उनके उत्पाद का मुकाबला नहीं लिया जाता है। कार्यक्रम अध्यक्ष अशोक सिलोकिया ने किसानों से संगठित होने का आव्हान किया। इस दौरान नेपाल सिंह, लक्ष्मी बौद्ध ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने सवाल पूछे जिसके जवाब बादल सरोज ने दिए। कार्यक्रम का संचालन किसान नेता जगदीश पटेल ने किया तो आभार देवेन्द्र वर्मा ने जताया। कार्यक्रम में क्षेत्र के किसान, युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लायंस क्लब शांकरी ने पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये किया पौधा रोपण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जन हितैषी व सामाजिक सेवा के कार्यो में अग्रणी रहने वाले लायंस क्बब की महिला सदस्यों द्वारा बीते हुये दिवस पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करते हुये रेलवे स्टेशन परिसर में पौधा रोपण किया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लायंस क्लब शांकरी द्वारा किये गये इस पौधा रोपण के दौरान आम, जामुन, चीर, बेलपत्र, बरगद, पीपल सहित विभिन्न प्रकार के कुल 21 पौधों का रोपण किया गया। क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ इन पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी क्लब द्वारा ली जाएगीइस अवसर पर लायंस अनीता जायसवाल, सचिव के.आर. सप्रे, रविशेखर जायसवाल, एस. तिवारी, मधुमनी चौहान, माया खजांची, आर.एस तिवारी. ममता पांडे , सविता बडकुर, दीपिका उपाध्याय, जगदीश अग्रवाल मनोहर आरसे सहित क्लब के अन्य सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तीर्थ यात्रियों को पार्षद सहित अन्य लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंट करते हुये किया रवाना

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। निश्चित तौर से श्रावण मास धार्मिक आयोजनों के लिये मुख्य माना जाता है। इसी के चलते जहां तहां धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हुये देखे जाते है। वही दूसरी ओर अनेक लोग इसी माह तीर्थ यात्राओं के माध्यम से भगवान के दर्शन करते हुये उनकी आराधना करने से नही चूकते है। इसी के चलते बीते हुये दिवस तीर्थ यात्रा पर रवाना होने वाले भक्तों को आजाद वार्ड पार्षद राजकुमार सतीष कौरव द्वारा पुष्प गुच्छ देते हुये यात्रा के सफल रहने की कामना के साथ विदा किया गया। इस मौके पर पार्षद श्रीमति कौरव ने कहा कि तीर्थ यात्रा भारतीय संस्कृति और आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दौरान उन्होंने सभी यात्रियों से देश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए सुरक्षित यात्रा करने की अपील की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

15 लाख का पीडीएस भवन पहली ही बारिश में टपका, निर्माण गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

शहपुरा। जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत अमेरा में लगभग 15 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) भवन पहली ही बारिश में पानी टपकाने लगा। भवन का निर्माण कार्य करीब तीन वर्षों से जारी है, लेकिन अब तक पूरा नहीं हो सका है। उपयोग से पहले ही भवन की छत से पानी का रिसाव होने पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।बताया जा रहा है कि बारिश के दौरान भवन की छत से पानी सीधे कमरों में टपकने लगा, जिससे परिसर में पानी भर गया। जिस भवन में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत हितग्राहियों का राशन सुरक्षित रखा जाना है, उसकी यह स्थिति लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई और निम्न स्तर की निर्माण सामग्री का उपयोग किया गया। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप हुआ होता तो पहली ही बारिश में भवन की छत से पानी का रिसाव नहीं होता।मामले में तकनीकी अमले की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि संबंधित उपयंत्री द्वारा निर्माण कार्य का नियमित निरीक्षण किया गया था, तो इतनी बड़ी खामी समय रहते सामने क्यों नहीं आई। इससे निर्माण कार्य की निगरानी व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।ग्राम पंचायत की भूमिका को लेकर भी ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि निर्माण के दौरान यदि कोई कमी दिखाई दे रही थी, तो समय रहते सुधारात्मक कार्रवाई क्यों नहीं कराई गई। ग्रामीणों ने पूरे निर्माण कार्य की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार, पंचायत सचिव, उपयंत्री एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

खबर संक्षेप

बीच सड़क में खड़े बिजली के खंभे, अधूरी 6 करोड़ की सड़क योजना पर उठे सवाल

अमरकंटक। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आस्था का प्रमुख केंद्र अमरकंटक में करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क योजना वर्षों बाद भी अधूरी पड़ी है। भारत सरकार की हुडको वित्तपोषित आईडीएसएमटी योजना के तहत तैयार की गई इस सड़क पर आज भी बीच मार्ग में खड़े बिजली के खंभे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई बार शिकायतों के बावजूद न तो अधूरी सड़क पूरी कराई गई और न ही बीच सड़क में खड़े विद्युत पोल हटाए गए। जानकारी के अनुसार आईडीएसएमटी योजना के अंतर्गत शहडोल अनूपपुर मुख्य मार्ग पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नाका तिराहा से पुराने स्टेट बैंक शाखा, कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय, रेवा पेट्रोलियम, पुलिस थाना होते हुए पाल बंगला (अध्यक्ष निवास) तक दोहरे सीमेंट-कंक्रीट मार्ग का निर्माण कराया गया था। लेकिन सड़क का दूसरा भाग आज तक अधूरा पड़ा है। नाका तिराहा से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सामने तक बनने वाला मार्ग वर्षों बाद भी शुरू नहीं हो सका, जिससे पूरी परियोजना अधूरी दिखाई देती है। सबसे चिंताजनक स्थिति सड़क के बीचों-बीच खड़े तीन विद्युत खंभों की है। रे वा पेट्रोलियम, पुलिस थाना तथा विद्युत मंडल पावर हाउस के समीप होटल के पास स्थित इन खंभों तक डिवाइडर आकर समाप्त हो जाता है। इसके बाद वाहन चालकों को अचानक दिशा बदलनी पड़ती है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं और रात के समय यह स्थान और अधिक खतरनाक हो जाता है।

प्रदेशभर में थम सकते हैं निजी बसों के पहिए

अनूपपुर। मध्यप्रदेश में निजी बस परिवहन व्यवस्था पर बड़ा संकट मंडराने लगा है। नई परिवहन नीति, बढ़ती परिचालन लागत और लंबित परमिट संबंधी समस्याओं को लेकर प्रदेशभर के टूरिस्ट एवं कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस संचालकों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिला बस ऑनर्स एसोसिएशन अनूपपुर ने मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री, मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव परिवहन के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि उनकी 8 सूत्रीय मांगों पर तत्काल निर्णय नहीं लिया गया तो 7 अगस्त की रात्रि 12 बजे से पूरे मध्यप्रदेश में टूरिस्ट, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज एवं निजी बसों का संचालन अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा। बस संचालकों का कहना है कि नई परिवहन नीति के कई प्रावधान निजी बस व्यवसाय के लिए घातक साबित हो रहे हैं। लगातार बढ़ती डीजल कीमतें, टायर, स्पेयर पार्ट्स और वाहनों के रखरखाव पर बढ़ता खर्च पहले ही कारोबार को घाटे में पहुंचा चुका है। इसके बावजूद किराए में समुचित वृद्धि नहीं होने और परमिट संबंधी जटिलताओं के कारण हजारों बस संचालकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इसका सीधा असर इस व्यवसाय से जुड़े ड्राइवरों, परिचालकों, मैकेनिकों और अन्य कर्मचारियों की आजीविका पर भी पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश के हजारों निजी बस संचालक वर्षों से यात्रियों को सुरक्षित और सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। धार्मिक यात्राओं, शैक्षणिक भ्रमण, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों सहित विभिन्न अवसरों पर निजी बसों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, लेकिन वर्तमान परिवहन नीति के कारण उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है।

किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। भारतीय किसान संघ ने बुधवार को कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया को किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर 19 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संघ ने किसानों और आमजन के हित में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कलेक्टर को प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित भी किया।संघ ने प्रशस्ति-पत्र में कहा कि कलेक्टर के कार्यकाल में प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनहित के कार्यों से किसानों को लाभ मिला है। इन प्रयासों से प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत हुआ है।

इसके बाद संघ के पदाधिकारियों ने किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में विकासखंड स्तर पर बीज वितरण की दर सूची और योजनाओं की जानकारी सार्वजनिक करने, धान उपार्जन की सीमा 22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 40 क्विंटल करने तथा मृदा परीक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की मांग की गई।संघ ने किसानों को समय पर मृदा परीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराने, अधिकारियों द्वारा शिकायतों का त्वरित निराकरण करने और कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने की भी मांग रखी। उद्यानिकी विभाग से केंचुआ खाद के स्थायी डंप बढ़ाने और पावर टिलर वितरण का लक्ष्य बढ़ाने की मांग भी की गई।

ज्ञापन में पशुपालन विभाग से दुधारू पशुओं का चिन्हांकन और पशु बीमा योजना के प्रभावी संचालन, सहकारिता विभाग के अंतर्गत नए लैम्पसों के लिए अलग कार्यालय खोलने तथा शासकीय भूमि, नाला, नदी, तालाब, झिरिया स्रोत और गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग भी शामिल रही।भारतीय किसान संघ ने बिलगड़ा बांध में सुरक्षा के लिए हूटर (सायरन) लगाने, बांध तक पक्की सड़क बनाने और समनापुर उप तहसील भवन को शीघ्र शुरू कराने की मांग की। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध बिजली कटौती पर रोक लगाने, शहपुरा में प्रस्तावित 132 केवी विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण शीघ्र शुरू करने तथा संजीवनी-1962 मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा को नियमित रूप से संचालित करने की मांग दोहराई। संघ का कहना है कि डीजल की कमी के कारण यह सेवा प्रभावित हो रही है, जिससे पशुपालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है।इसके अलावा गल्ला मंडी की सभी दुकानों में मूल्य सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने और कृषि उपज मंडी कार्यालय के लिए नए भवन के निर्माण की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।संघ ने कलेक्टर से सभी 19 मांगों पर गंभीरता से विचार कर संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश देने का आग्रह किया।इस दौरान भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष बिहारी लाल साहू, जिला उपाध्यक्ष जगदीश साहू, जिला कोषाध्यक्ष विवेकानंद साहू, जिला जैविक प्रमुख तरुण परस्ते, जिला विपणन प्रमुख खिलपत गौतम सहित संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

तीसरे दिन भी पटवारियों की कलमबंद हड़ताल जारी, राजस्व कार्य प्रभावित

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन तेज, नामांतरण, बंटवारा, फॉर्मर आईडी और ई-केवाईसी सहित कई सेवाएं ठप

डिंडौरी। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के आह्वान पर पांच सूत्रीय मांगों को लेकर जारी प्रदेशव्यापी कलमबंद हड़ताल का असर डिंडौरी जिले में भी लगातार तीसरे दिन देखने को मिला। शहपुरा तहसील में तहसील अध्यक्ष जागेश्वर परस्ते के नेतृत्व में पटवारी धरने पर बैठे रहे और लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की।हड़ताल के कारण तहसील कार्यालयों में राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो गए हैं। नामांतरण, बंटवारा, फॉर्मर आईडी, आरओआर ई-केवाईसी, खाद्य टोकन, किसान क्रेडिट कार्ड, राजस्व अभिलेखों से जुड़े कार्य तथा आपदा राहत के प्रकरणों के निराकरण में देरी हो रही है। वहीं राजस्व न्यायालयों की कार्यवाही भी प्रभावित होने लगी है। खरीफ सीजन के बीच राजस्व सेवाएं बाधित होने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। भूमि संबंधी दस्तावेज, फॉर्मर आईडी और अन्य आवश्यक प्रमाणपत्र समय पर नहीं मिलने से कृषि ऋण, खाद-बीज वितरण और शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कतें आ रही हैं।पटवारी संघ का कहना है कि कैडर रिव्यू लागू करने, नियमित पदोन्नति, नायब तहसीलदार विभागीय परीक्षा, समयमान वेतनमान, जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में शामिल करने तथा लंबित देयकों के भुगतान सहित उनकी प्रमुख मांगों पर अब तक शासन ने कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। संघ ने मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है।इधर किसानों और आम नागरिकों ने शासन से पटवारी संघ के साथ शीघ्र वार्ता कर समाधान निकालने और राजस्व सेवाएं जल्द बहाल कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री के विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद का जिलेभर के स्कूलों में हुआ सीधा प्रसारण

डिंडौरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भोपाल स्थित शासकीय सांदीपनि कमला नेहरू विद्यालय से विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ संवाद किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डिंडौरी जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में किया गया।लाइव प्रसारण के माध्यम से जिले के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के उद्बोधन और संवाद को सुना। मुख्यमंत्री ने शिक्षा की गुणवत्ता, अनुशासन, नवाचार, व्यक्तित्व विकास और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने, नई सोच अपनाने और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षकों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शिक्षण व्यवस्था के लिए प्रोत्साहित किया गया।जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मुख्यमंत्री के संदेशों को सुना और आत्मसात किया।

चार माह से मानदेय नहीं मिलने पर ग्राम रोजगार सहायकों ने सीईओ को सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। जनपद पंचायत समनापुर के ग्राम रोजगार सहायकों ने चार माह से मानदेय नहीं मिलने पर बुधवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) को ज्ञापन सौंपकर नाराजगी जताई। संगठन ने चेतावनी दी कि लंबित मानदेय का भुगतान होने और स्थापना संबंधी कार्यों में बदलाव किए जाने तक वे नियमित कार्यों का निर्वहन नहीं कर पाएंगे।संगठन का कहना है कि फरवरी 2026 से मानदेय का भुगतान नहीं होने से रोजगार सहायकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई, बैंक की किस्त और दैनिक खर्चों का वहन करना मुश्किल हो रहा है।
रोजगार सहायकों ने बताया कि वे मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध कराने, विकास कार्यों की ऑनलाइन प्रविष्टि, मजदूरी भुगतान, पंचायत स्तर पर विभिन्न योजनाओं के संचालन सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं। इसके बावजूद समय पर मानदेय नहीं मिलने से कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कई बार मांग उठाने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। संगठन ने यह भी मांग की है कि सहायक लेखा अधिकारी के पास से स्थापना संबंधी कार्य वापस लेकर किसी अन्य सक्षम अधिकारी को सौंपा जाए।संगठन ने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी नहीं होने पर 'वेतन नहीं तो काम नहीं' आंदोलन जारी रहेगा। रोजगार सहायकों का कहना है कि यदि आंदोलन के कारण मनरेगा और अन्य शासकीय योजनाएं प्रभावित होती हैं, तो इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। रोजगार सहायकों ने लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान, भविष्य में समय पर मानदेय जारी करने तथा उनकी लंबित समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग की है।

हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

डिंडौरी। हर परिवार तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। जल जीवन मिशन के तहत संचालित नल-जल योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के निर्माण कार्यों और जिला जल स्वच्छता समिति की संयुक्त बैठक में दिए।बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने की।
इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना की प्रगति, समूह एवं एकल नल-जल योजनाओं, ट्रायल रन पूर्ण योजनाओं, ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित योजनाओं, जल स्रोतों में बदलाव, योजनाओं के सुधार एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा की गई।विधायक धुर्वे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्ण हो चुके कार्यों की डाटा एंट्री में तेजी लाई जाए और योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि बोरवेल का खनन तकनीकी परीक्षण के बाद ही किया जाए तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं।उन्होंने स्पष्ट किया कि नल-जल योजनाओं का सफल ट्रायल रन होने के बाद ही ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किया जाए। साथ ही कार्य पूर्ण होने के बाद ही संबंधित एजेंसियों को भुगतान किया जाए। गुणवत्ताहीन कार्य या समय पर कार्य पूर्ण नहीं करने वाली एजेंसियों के विरुद्ध ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान विधायक ने कचरा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाने और उपलब्ध स्वच्छता उपकरणों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने हाट-बाजारों, ग्राम पंचायतों और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित साफ-सफाई और शौचालयों की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने खुले और अनुपयोगी बोरवेलों को तत्काल सुरक्षित तरीके से बंद कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी लापरवाही से किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने बोर खनन से पहले आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने और विभागीय अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि पेयजल, आवास और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्रावण में शिवमय हुआ अमरकंटक का रामघाट वैदिक मंत्रों की गूंज से आलोकित हुई तपोभूमि

अमरकंटक। श्रावण मास के शुभारंभ के साथ ही धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक का पावन रामघाट पूरी तरह शिवमय हो उठा है। नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 10 स्थित माँ नर्मदा के उत्तर तट पर इन दिनों वैदिक मंत्रों की मधुर अनुगूंज, श्रीरुद्रम के नमक-चमक पाठ, महामृत्युंजय मंत्र जाप, रुद्राभिषेक, शिव पूजन, यज्ञ-हवन और सत्संग से संपूर्ण वातावरण भक्तिरस में डूबा हुआ है। श्रावण के प्रत्येक दिन यहां श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ रही है और हर-हर महादेव के जयघोष से तपोभूमि अमरकंटक गुंजायमान हो रही है।
नर्मदा परिक्रमावासी संत स्वामी पूर्ण दास महाराज (मौनी बाबा) के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में पूरे श्रावण मास तक विशेष शिव आराधना का महाअनुष्ठान आयोजित किया जा रहा है। प्रतिदिन भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर विश्वशांति, राष्ट्र की समृद्धि, जनकल्याण, उत्तम स्वास्थ्य और प्रकृति के संतुलन की कामना की जा रही है। स्वामी पूर्ण दास महाराज का कहना है कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सर्वोत्तम काल है, जिसमें श्रद्धा और भक्ति से किया गया जप, तप एवं अभिषेक जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता है। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सेवा और अन्नदान की सनातन परंपरा भी निरंतर निभाई जा रही है। प्रतिदिन नर्मदा परिक्रमा वासियों, साधु-संतों तथा दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भजन-कीर्तन, विशाल भंडारा, प्रातः बालभोग, मध्याह महाप्रसाद, संध्या अल्पाहार और रात्रि भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति का संकल्प है कि इस पावन धाम से कोई भी श्रद्धालु भूखा वापस न लौटे। महर्षि विद्यालय, जबलपुर से आए विद्वान वैदिक ब्राह्मण शास्त्रोक्त विधि-विधान से नमक-चमक रुद्राभिषेक एवं अन्य वैदिक अनुष्ठान संपन्न करा रहे हैं। पंडित नीलकंठ प्यासी, पंडित जगदीश प्यासी, पंडित नंद कुमार शर्मा, पंडित वेद प्रकाश गर्ग, पंडित मनीष दुबे, पंडित प्रांजल अग्निहोत्री, पंडित दिलीप गर्ग, पंडित सुहागी द्विवेदी, पंडित वेद कृष्ण शास्त्री और पंडित रोहित तिवारी सहित अनेक विद्वान आचार्य वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप, हवन और शिव पूजन करा रहे हैं। उनके मंत्रोच्चार से पूरा रामघाट आध्यात्मिक ऊर्जा और शिवभक्ति से सराबोर दिखाई दे रहा है। श्रावण मास के इस विशेष आयोजन ने अमरकंटक को एक बार फिर सनातन आस्था और वैदिक परंपरा के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया है। धूप-दीप की सुगंध, हवन की पवित्र आहुति, वैदिक मंत्रों की गूंज, हर-हर महादेव के उद्घोष और अन्नदान की अखंड सेवा से रामघाट का प्रत्येक क्षण आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान कर रहा है। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोककल्याण, सेवा, संस्कार और सनातन संस्कृति के संरक्षण का प्रेरक उदाहरण बनकर श्रद्धालुओं को आस्था और सेवा का संदेश दे रहा है।

हवा भरते समय फटा एयरटैंक, युवक की दर्दनाक मौत

कोतमा। जिले के कोतमा नगर के श्रमिक नगर बस स्टैंड स्थित एक ऑटो वर्कशॉप में बुधवार दोपहर हुए भीषण हादसे में 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वर्कशॉप में हवा भरने के दौरान अचानक एयर टैंक तेज धमाके के साथ फट गया, जिसकी चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रिंस साहू (22 वर्ष), पिता मोती साहू, श्रमिक नगर बस स्टैंड स्थित कृष्णा ऑटो डील, मोती ऑटो वर्कशॉप एवं धुलाई सेंटर में कार्यरत थे। बुधवार करीब 12 बजे वह वर्कशॉप में एयर टैंक के माध्यम से हवा भरने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक एयर टैंक धमाके के साथ फट गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि प्रिंस गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े और पूरे वर्कशॉप परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि दूर-दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी। कई लोगों को पहले लगा कि किसी स्थान पर बम फट गया है। तेज धमाका सुनते ही आसपास के दुकानदार, राहगीर और स्थानीय लोग दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे। वहां पहुंचने पर लोगों ने देखा कि युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा हुआ है।

खबर संक्षेप

कच्ची शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। थाना पुलिस ने ग्राम भंडारदेव में कार्रवाई कर 5 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से बरामद शराब की अनुमानित कीमत 500 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर की गई कार्रवाई में प्यारेलाल गोंड (46) निवासी भंडारदेव को अवैध महुआ शराब के साथ पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान वह शराब रखने संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की है। गिरफ्तारी आवश्यक नहीं होने पर बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत नोटिस देकर उसे रिहा किया गया।

विश्व आदिवासी दिवस पर होंगे विविध आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को सर्व आदिवासी समाज के तत्वावधान में गल्ला मंडी प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता रहेगी। सर्व आदिवासी समाज जिला नरसिंहपुर ने समाज की माताओं, बहनों, युवाओं एवं समाजबंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम के माध्यम से समाज की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता को सुदृढ़ करने का संदेश दिया जाएगा।

इनर व्हील क्लब ने पौधा रोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। इनर व्हील क्लब द्वारा पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण हरियाली को बढ़ावा देना और भावी पीढियो को स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष भारती ठाकुर के नेतृत्व में क्लब के सदस्य विमला ठाकुर, मंजूषा सेन, विंध्याघ तिवारी, रानू अवधिया, आकांक्षा साहू, रजनी राजोरिया, उर्वशी पाठक, अंजलि साहू, तनु दुबे, सुरुचि साहू, रितु अग्रवाल, पूनम धुर्वे, प्रियंका जगदाले, रुक्मणी ढिमोले, राजकुमारी पाठक, रश्मि सलूजा का योगदान रहा।

रक्षाबंधन के अवसर पर प्रधान डाकघर सिवनी में गंगाजल भी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज सिवनी। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर राखियों की बढ़ती डाक को ध्यान में रखते हुए प्रधान डाकघर सिवनी में विशेष राखी डाक बुकिंग काउंटर संचालित किया जा रहा है। यह विशेष व्यवस्था 03 अगस्त से 27 अगस्त 2026 तक रविवार एवं अन्य अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। अधीक्षक डाकघर सिवनी ने बताया कि इस अवधि में ग्राहकों की सुविधा के लिए राखी डाक एवं पार्सल की बुकिंग हेतु अलग विशेष काउंटर संचालित किया जाएगा, जिससे लोगों को लंबी प्रतीक्षा का सामना न करना पड़े।

मूंग खरीदी केंद्रों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, किसानों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

समर्थन मूल्य पर मूंग उपार्जन के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे लेकर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को करेली एवं तेंदूखेड़ा क्षेत्र का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और किसानों की समस्या का मौके पर ही समाधान कराया। करेली के समीप बरखेड़ा स्थित रेवा वेयरहाउस में किसानों की उपज पहुंचने से वहां क्षमता से अधिक दबाव बन गया था। वेयरहाउस के बाहर पिछले कई दिनों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें लगी थीं, जिससे किसानों को प्रतीक्षा और असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति की जानकारी मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने पहले कृषि उपज मंडी करेली पहुंचकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की, इसके बाद रेवा वेयरहाउस पहुंचकर किसानों से चर्चा की। किसानों की समस्या को देखते हुए उन्होंने संबंधित समिति की मैपिंग परिवर्तित कर उपार्जन कार्य कृषि उपज मंडी करेली में प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

तौल कांटो की बढ़ाई जाए संख्या

निरीक्षण के दौरान किसानों ने बताया कि खरीदी केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या बढ़ाई जाए, जिससे उपज की तुलाई शीघ्र हो सके। किसानों ने स्लॉट बुकिंग की अवधि समाप्त होने संबंधी समस्या भी कलेक्टर के समक्ष रखी। इस पर कलेक्टर ने मंडी सचिव को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, तौल व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर केवल एफएक्यू मानक की मूंग ही खरीदी जाए। कलेक्टर ने किसानों को बताया कि जिन किसानों की 25 प्रतिशत मूंग का उपार्जन हो चुका है, उन्हें शेष 35 प्रतिशत मूंग पूर्व में मैप किए गए निर्धारित उपार्जन केंद्र पर ही लानी होगी। वहीं जिन किसानों की 60 प्रतिशत मूंग का उपार्जन किया जाना है, वे आवश्यकता होने पर अपना उपार्जन केंद्र परिवर्तित करा सकते हैं। इसके लिए संबंधित किसान अपनी समिति के प्रबंधक से संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केंद्र परिवर्तन की कार्रवाई करा सकते हैं।

मूंग की तुलाई को लेकर किसान संघ ने ज्ञापन सौंपा

बुधवार को भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर को ग्रीष्मकालीन मूंग की तुलाई में हो रही समस्याओं से ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया। ग्रीष्मकालीन मूंग की तुलाई के लिए किसान दर-दर भटक रहा है परेशान हो रहा है वेयर हाउस में लंबी लंबी लाइन है एक वेयर हाउस में 200 से 250 ट्रैक्टरों की लाइन लगी हुई है और किसान कम से कम 10 से 12 दिन तक अपनी मूंग तुलाई के लिए का इंतजार कर रहा है प्रशासनिक अमला तुलाई के लिए लगा हुआ है लेकिन वेयरहाउस प्रबंधक एवं सर्वेयरों की मनमानी के कारण किसान परेशान हो रहा है अतः भारतीय किसान संघ मांग करता है 2 से 3 दिन जिले की सभी मंडियों को बंद कर कर सिर्फ मूंग उपार्जन कर तुलाई में तेजी लाई जाए एवं वहां से परिवहन कर वेयरहाउस में माल जमा करवाया जाए एवं शनिवार और रविवार को भी तुलाई निश्चित की जाए।

यूरिया की दुकानों में कराई जाए आपूर्ति

स्लॉट का टाइम निकालने के कारण उनकी डेट बढ़ाने के लिए किसान कृषि संचालक विभाग के चक्कर लगा रहा है किसी किसान का माल तो तोल गया है लेकिन डेट निकल जाने के कारण उनका बिल नहीं बन रहा है तो किसी किसान का बिल बनाने के लिए अंगूठा नहीं मिल रहा है भारतीय किसान संघ मांग करता है कि मूंग के बिल किसान के मोबाइल के ओटीपी के द्वारा बनाए जाएं। खेतों पर मक्के और धान की फसल को यूरिया की आवश्यकता है और समय पर यूरिया ना मिलने से फसल बढ़वार नहीं ले रही है जिलों में एसटीडी कोड 181 के माध्यम से उर्वरक बुक कराया जा रहा है किंतु 70 से 80 किसानों के ही टोकन 181 पर बुक हो रहे हैं प्राइवेट दुकान एवं एमपी एग्रो से उर्वरक स्पष्ट नीति न होने के कारण सप्लाई नहीं हो पा रही है कलेक्टर को ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि प्राइवेट दुकान एवं एमपी एग्रो को भी 181 में जोड़कर टोकन वितरित किए जाएं एवं ऑफलाइन में प्रतिदिन 300 किसानों को उर्वरक सप्लाई की जाए एवं समय-समय पर डीएमओ एवं एमपी एग्रो की स्टॉक की जांच कराई जाए।

विहिप व बजरंग दल ने किया पुतला दहन, जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। बुधवार को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा सुभाष पार्क चौराहे पर भगवा और संत-महात्माओं के कथित अपमान के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पप्पू यादव एवं कांग्रेस का पुतला दहन कर विरोध जताया और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं हिंदू समाज के कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि भगवा केवल एक रंग नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, भारतीय परंपरा और करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रतीक है। संत-महात्माओं के सम्मान पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी समाज स्वीकार नहीं करेगा। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि भविष्य में भी सनातन धर्म, भगवा अथवा संत-महात्माओं का अपमान किया गया तो लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से जनजागरण एवं विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले भर के पटवारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार से अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल पर चले गए हैं। मध्य प्रदेश पटवारी संघ के आह्वान पर प्रारंभ हुई इस हड़ताल के कारण जिले की सभी तहसीलों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और गिरदावरी जैसे महत्वपूर्ण राजस्व कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं। हड़ताल के प्रथम दिन पटवारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। पटवारी संघ का आरोप है कि शासन द्वारा उनकी लंबित मांगों पर लंबे समय से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जा रहा है। हड़ताल के चलते किसान क्रेडिट कार्ड, सीमांकन और अन्य राजस्व सेवाओं के लिए तहसील कार्यालयों में पहुँच रहे किसानों तथा आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ की प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू, वेतन विसंगति दूर करना, कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रदान करना, सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त करना, लंबित मानदेय का भुगतान और स्थानांतरण नीति में व्यावहारिक सुधार शामिल हैं। पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों का निराकरण नहीं होता, तब तक अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा।

महिला पतंजलि योग समिति द्वारा मनाया गया जड़ी बूटी दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। आचार्य बालकृष्ण ने पतंजलि योगपीठ के आयुर्वेद केंद्र के माध्यम से पारंपरिक आयुर्वेद पद्धति को आगे बढ़ाने का कार्य किया है और उनके जन्म दिवस को पतंजलि योगपीठ द्वारा जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। और औषधीय पौधों का वितरण तथा रोपण किया जाता है। आचार्य श्री की इन्हीं सभी उपलब्धियों को याद करते हुए महिला पतंजलि योग समिति नरसिंहपुर की बहनों ने गायत्री शक्तिपीठ में उनकी दीर्घायु हेतु यज्ञ हवन पूजन किया एवं जड़ी बूटी एवं औषधीय पौधों का वितरण एवं रोपण किया साथ ही साथ सभी ने संकल्प लिया की अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करेंगी और अपने-अपने घरों में किचन गार्डन और औषधीय बगिया तैयार करेंगी। इस कार्यक्रम में महिला पतंजलि योग समिति नरसिंहपुर की जिला प्रभारी भारती कौरव, जिला महामंत्री सुषमा मिश्रा, तहसील महामंत्री मंजू श्रीवास्तव एवं मुख्य योग शिक्षकों में से सुनीता शर्मा, सुधा तिवारी, कल्पना सोनी, स्मिता श्रीवास एवं अन्य योग साधकों की उपस्थिति रही ।

जिस सड़क पर 10 टन भार सहन करने क्षमता उस पर से गुजर रहे 70 -70 टन भारी कंटेनर

तेंदूखेड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य सड़क मार्गों से जोड़ने और आवागमन को लेकर बनाई गई सड़कों पर क्षमता से अधिक माल बाहक वाहनों को निकलने से जहां सड़कों के परखच्चे उड़ रहे वहीं आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत खमरिया के अंतर्गत सामने आया है। खमरिया से कन्हेरी को जाने वाली सड़क पर प्रतिदिवस केवल 10 टन भार सहन करने की क्षमता वाली सड़क बनी हुई है लेकिन निजी स्वार्थ सिद्ध करने वाले उद्योगपतियों की राजनैतिक पहुंच और अधिकारियों की सांठगांठ के चलते 70-70 टन पत्थर से लदे कंटेनर एक साथ निकल रहें हैं। ग्रामीणों तथा कृषकों का कहना है कि यह सड़क हम लोगों को कृषि उपज ले जाने और आवागमन का एक मात्र साधन है लेकिन भारी वाहनों के कारण सड़क मार्ग दुर्गम बनता जा रहा है। इतना ही नहीं सड़क जहां तहां से टूटने लगी है और गांव की पेयजल आपूर्ति को भी पलीता लगा रही है। आखिर किसके संरक्षण में यह सब चल चल रहा है।

शिकायतों पर नहीं हो रहा अमल

सबसे बड़ा सोचनीय विषय तो यहां पर यह बना हुआ है कि विगत दिनों एक साथ निकल रहे दो दो कंटेनरों में से एक कंटेनर भारी लोड के कारण यहां फंस गया था। जिसने जलसंरक्षण की दिशा में ग्राम पंचायत द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को तोड दिया गया था।इस विषय को लेकर तत्काल प्रभाव से तहसील स्तर पर राजस्व और जिला स्तर के खनिज अधिकारियों को भी सूचित किया गया था। फिर तत्काल प्रभाव से कोई उचित कार्रवाई नहीं हो सकी।इस विषय को लेकर ग्रामीणों में तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त है। शीघ्र ही एक बडे जन आंदोलन का शंखनाद किया जा सकता है। गौरतलब रहे कि जिले में संचालित एक खनिज पट्टे को लाइमस्टोन डोलोमाइट एवं मार्बल ब्लॉक के उत्खनन की अनुमति नहीं है। जबकि स्वीकृत वार्षिक उत्पादन क्षमता मात्र 4000 टन है। इसके बावजूद क्षेत्र में नियमित रूप से 70 टन वजनी मार्बल ब्लॉक से लदे भारी वाहन निकलने के आरोपों ने पूरे खनन तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि सूचना मिलने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। दोनों वाहन लगभग छह घंटे तक वहीं खड़े रहे और बाद में अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। इस घटना के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पट्टाधारी द्वारा स्वीकृत उत्पादन सीमा से कई गुना अधिक मात्रा में मार्बल ब्लॉक का उत्खनन किया जा रहा है। साथ ही यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि मार्बल ब्लॉक का परिवहन एवं विक्रय लाइमस्टोन और डोलोमाइट की रॉयल्टी पर किया जा रहा है। जिससे शासन को वर्षों से करोड़ों रुपये के राजस्व की हानि हो सकती है। इन आरोपों की स्वतंत्र जांच आवश्यक है।

क्षमता से अधिक ढुलाई किस नियम के तहत

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि पट्टे की स्वीकृत वार्षिक उत्पादन क्षमता केवल 4000 टन है। तो अब तक वास्तव में खदान से कितना खनिज निकाला गया? खदान के अभिलेखों में दर्शाए गए उत्पादन रॉयल्टी भुगतान परिवहन पास बिक्री विवरण तथा मौके पर हुए वास्तविक उत्खनन का मिलान किए बिना सच्चाई सामने नहीं आ सकती है।क्षेत्र के लोगों ने मांग की है कि खदान शुरू होने की तिथि से अब तक के संपूर्ण उत्पादन रॉयल्टी परिवहन अभिलेखों तथा मौके पर हुए वास्तविक उत्खनन की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। यदि अभिलेखों और वास्तविक उत्खनन में अंतर पाया जाता है। तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए शासन को हुई राजस्व हानि की वसूली की जाए। यह मामला अब केवल अवैध खनन का नहीं बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का भी बनता जा रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है क्या करोड़ों रुपये के खनिज का खेल अधिकारियों की नजरों से ओझल रहा या फिर किसी की चुप्पी ने इस पूरे तंत्र को संरक्षण दिया जा रहा है।

नहीं रहे डॉ. चौहान, अंत्येष्टि आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के प्रतिष्ठित डॉ अजय सिंह चौहान अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। पिछले कुछ दिनों से उनका मुंबई में इलाज करा रहे थे। वे डॉ. वाय एस चौहान मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक एवं संजय सिंह चौहान के अग्रज थे। उनका अंतिम संस्कार आज नरसिंहपुर में किया जाएगा। उनके निधन की खबर सुनते ही चिकित्सा क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया। उनके निधन को बड़ी क्षति बताया है। डॉ अजय सिंह चैहान का चिकित्सा क्षेत्र में जहां बड़ा सम्मान था, वहीं आम नागरिक भी उनके प्रति बेहद सम्मान की भावना रखता है। अपने पिताश्री की विरासत को आगे बढ़ते हुए डॉ अजय सिंह चैहान ने चिकित्सा क्षेत्र में सेवा भाव से कार्य किया।

अभय लल्ला का निधन

तेंदूखेड़ा। नगर के प्रतिष्ठित जैन समाज के शिक्षक त्रिलोक जैन इंजिनियर आलोक जैन के पूज्य पिता सहज विनोदी स्वभाव के मिलनसार अभय जैन लल्ला का असमय दुखद निधन हो जाने पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।

नहीं रहीं सुशीला बाई

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस समीपी ग्राम खेरुआ काचरकोना के प्रतिष्ठित डा मेहरबान सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला बाई का असमय दुखद निधन हो जाने पर क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।

अग्रवाल महिला इकाई द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन

तेंदूखेड़ा । पावन श्रावण मास के दौरान संपूर्ण क्षेत्र में धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। जगह जगह भजन कीर्तन शिवाभिषेक अखंड रामायण पाठ सुंदरकांड पाठों का आयोजन चल रहा है।इसी श्रंखला के चलते अखिल भारतीय अग्रवाल महिला इकाई संगठन तेंदूखेड़ा द्वारा अग्रवाल भवन में सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया जिसमें जिला संगठन मंत्री सुजाता अग्रवाल नगर अध्यक्ष श्रद्धा अग्रवाल उपाध्यक्ष कल्पना अग्रवाल रुचि अग्रवाल कोषाध्यक्ष रेखा अग्रवाल संगीता अग्रवाल संयोजक संगठन मंत्री रंजना अग्रवाल सलाहकार नेहा अग्रवाल मीडिया प्रभारी आराधना अग्रवाल पार्षद सरला अग्रवाल नगर की वरिष्ठ महिलाऐं गीता पूजा कविता हेमा भावना विनीता कीर्ति छाया ज्योति मंजू मणि सीमा ममता अर्पिता सविता बबली अग्रवाल सहित समाज की बहनें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन में जिला संगठन मंत्री सुजाता अग्रवाल के द्वारा प्रसाद वितरण किया गया।

कलेक्टर आईं और चुटकी में हल की किसानों की दुविधा

करेली। मूंग उपार्जन में 25 फ़ीसदी से 60 फ़ीसदी की गई वृद्धि के बाद अचानक वेयर हाउसों में ट्रैक्टरों की लंबी कतार किसानों के लिए परेशानी का सबब बनी थी। करेली के समीपी ग्राम बसखेड़ा स्थित रेवा वेयर हाउस में क्षमता फुल होने के बाद भी लगभग डेढ़ सौ ट्रैक्टर सकरी सड़क के दोनों ओर पिछले चार से पांच दिनों से लाइन से लगे हुए थे और किसान परेशान हो रहे थे। जिसकी जानकारी मिलने पर बुधवार दोपहर समस्या के निवारण हेतु जिले की कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कृषि उपज मंडी करेली पहुंचकर वहां रेवा वेयरहाउस से संबंधित किसानों के उपार्जन की त्वरित व्यवस्था की। जिसके बाद कलेक्टर ने रेवा वेयरहाउस पहुंचकर किसानों से भेंट की व तत्काल प्रभाव से संबंधित समिति की मैपिंग चेंज कर कृषि उपज मंडी में उपार्जन प्रारंभ किए जाने निर्देश दिए। तदनुसार तहसीलदार करेली विक्रम सिंह की सतत मॉनिटरिंग में दोपहर में ही किसानों को रेवा वेयरहाउस में लगी लंबी लाइन से निजात दिलाते हुए करेली की नई गल्ला मंडी में स्थानांतरित किया गया। जहां गुरुवार सुबह से उनकी मूंग की तुलाई प्रारंभ की जावेगी

नाम सुधार सूचना

मैं सुधीर कुमार गुप्ता पिता श्री भगवान दास गुप्ता, निवासी ग्राम बरहटा, तहसील गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) यह घोषित करता हूँ कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र क्रमांक B-2022:23 90-290-000899 दिनांक 27/04/2022 में मेरे पुत्र का नाम "आद्वित्या गुप्ता (ADVITIYA GUPTA) " अंकित हो गया है, जबकि सही नाम "आदित्य गुप्ता (ADIYTA GUPTA)" है। अतः भविष्य में मेरे पुत्र को "आदित्य गुप्ता (ADIYTA GUPTA)" नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए। जन्म तिथि 24/02/2022 तथा माता- पिता का नाम यथावत रहेगा।

नया नाम : आदित्य गुप्ता (ADIYTA GUPTA)
पुराना नाम : आद्वित्या गुप्ता (ADVITIYA GUPTA)